यः समुत्पतितं क्रोधं क्षमयैव निरस्यति।
यथोरगस्त्वचं जीर्णां स वै पुरुष उच्यते॥

जिस प्रकार सांप अपनी जीर्ण-शीर्ण हो चुकी त्वचा को शरीर से उतार फेंकता है, उसी प्रकार जो अपने सिर पर चढ़े क्रोध को क्षमाभाव के साथ छोड़ देता है, वही वास्तव में पुरुष यानी गुणों का धनी व्यक्ति है।

सुप्रभात

अमर उजाला my city लखनऊ

आषाढ़ कृष्ण पक्ष पंचमी, विक्रम संवत 2076

शनिवार • 22.06.2019

08 हर तरफ योग का रंग, जागरूकता के लिए सब आए संग

Lucknow.amarujala.com

अमर उजाला my city

Lucknow.amarujala.com

लखनऊ celebration

ऊर्जा... उमंग... और उल्लास

अमर उजाला page 8

शनिवार • 22.06.2019

वरिष्ठजनों के लिए एल्डर्स हब, जनकल्याण समिति, विरामखंड ने योग शिविर का आयोजन किया। इसमें स्थानीय लोगों व वरिष्ठ नागरिकों ने शिरकत की। योग गुरू आरएस मिश्रा ने योगासन सिखाया।